Depreciation in Value of Rupee

696. SHRI ASHOK MITRA: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) the extent of depreciation in the external value of rupee brought about by the recent large-scale sale of the Indian currency by foreign institutional investors;

(b) the consequence of the depreciating rupee for the country's export and import earnings and long-terms debt repayment obligations; and

(c) whether this experience will induce Government to return to a regime of a fixed external value of the rupee?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI SATPAL MAHARAJ): (a) As on November 20, 1997, the exchange rate of the rupee vis-s-vis the US dollar recorded a depreciation of about 4.1 per cent from its level in March, 1997. The movements in exchange rate of the rupee reflect the net effect of demand and supply conditions in the foreign exchange market, which are affected by a host of external transactions, including net investments by Foreign Institutional Investors.

(b) Depreciation of exchange rate of the rupee is expected to have a positive effect on exports by increasing exporters' income. At the same time, it would restrain import demand by making imports costlier. As regards long term debt repayments, which are contractual in character, there would be a higher outgo in terms of rupees, although in terms of foreign currencies in which these payments are made, there would be no impact of the depreciation of the rupee.

(c) No Sir.

RBI Guidelines for Schemes for Rehabilitating Sick Small Scale Industrial Units

697. MISS SAROJ KHAPARDE: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Reserve Bank of India have issued guidelines to all the Public sector banks to prepare and implement schemes for rehabilitation of sick small scale industrial units in the country;

(b) if so, the names of public sector banks that have prepared such scheme and are also implementing it; and

(c) whether all the public sector banks have prepared these schemes?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI SATPAL MAHARAJ): (a) Reserve Bank of India (RBI) has reported that it has issued guidelines to Scheduled Commercial Banks to review all cases of viable sick small scale industrial (SSI) units periodically and take steps to put them under nursing programme.

(b) and (c) RBI has reported that all public sector banks are following its guidelines and taking steps to rehabilitate the potentially viable sick SSI units.

बैंकों और वित्तीय संस्थाओं में जमा राशियां

698. चौधरी हरमोहन सिंह यादव: क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) गत तीन वर्षों में देश के राष्ट्रीयकृत बैंकों और राष्ट्रीय वित्तीय संस्थाओं में जमा के रूप में कुल कितना धन रखा गया है;

(ख) उनका राज्य-वार, बैंक-वार और संस्था-वार ब्यौरा क्या है; और

(ग) क्या यह सच है कि देश में निजी क्षेत्र में बैंक खोलने की अनुमति प्रदान करने के बाद सरकारी बैंकों और सरकारी वित्तीय संस्थाओं की जमा राशियां कम हो गई हैं?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सतपाल महाराज): (क) से (ग) भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा दी गई सूचना के अनुसार मार्च, 1995, मार्च, 1996 और मार्च, 1997 के अन्तिम शुक्रवार की स्थिति के अनुसार सरकारी क्षेत्र के बैंकों की राज्य-वार और बैंक-वार जमा राशियां क्रमशः विवरण-I और विवरण-II में दी गई है। (नीचे देखिए)। वित्तीय संस्थाओं से संबंधित सूचना एकत्र की जा रही है और सभा-पटल पर रख दी जाएगी। भारतीय रिजर्व बैंक ने सूचित किया है कि गैर-सरकारी क्षेत्र के बैंकों के गठन के बाद राष्ट्रीयकृत बैंकों के पास जमाराशियों में गिरावट की प्रवृत्ति नहीं आई है।

विवरण-I

मार्च के अंतिम शुक्रवार की स्थिति के अनुसार सरकारी क्षेत्र के बैंकों की राज्य/संघ राज्य क्षेत्र वार जमाराशियां

(राशि लाख रु० में)

राज्य/संघ राज्य क्षेत्र का नाम	एसबीआई और उनके अनुषंगी			राष्ट्रीयकृत बैंक		
	1997	1996	1995	1997	1996	1995
अंदमान और निकोबार	9291	8488	6602	9568	6821	5390
आंध्र प्रदेश	980207	807102	734704	1196089	1039147	971278
अरुणाचल प्रदेश	31284	28674	26092	6983	6425	5331
असम	174261	150047	142688	281832	248245	215287
बिहार	723890	814721	522773	1180225	1014100	852889
चंडीगढ़	115977	122629	105906	237493	240233	203195
दादरा व न० ह०	2094	1789	1903	6077	4198	4090
दमन व दीव	14488	12086	9512	6091	6753	4031
गोवा	91913	75993	66188	266245	223920	108631
गुजरात	727088	678334	624544	2058528	1766995	1638825
हरियाणा	157104	222431	192743	706212	613040	491539
हिमाचल प्रदेश	142606	120600	103892	200414	172910	147210
जम्मू व कश्मीर	96195	83563	70474	101727	86757	74543
कर्नाटक	688844	621198	526993	1362121	1264026	1082165
केरल	761828	680239	585878	821098	713205	646853
लक्षद्वीप	—	—	—	3093	2478	2023
मध्य प्रदेश	687350	618837	519354	947794	819106	710592
महाराष्ट्र	1689641	1640113	1292625	5016535	4401366	4183529
मणिपुर	11568	9087	7621	13899	12390	9628
मेघालय	36624	31757	26459	43310	34281	30174
मिजोरम	20895	15171	13518	4426	3245	2273
नागालैंड	25199	19377	15211	21308	16334	12807
रा० रा० क्षेत्र दिल्ली	983803	1042407	896360	2948988	2327226	2438795
उड़ीसा	281016	244259	209673	354900	295501	280172
पांडिचेरी	20183	16872	11558	53248	48249	41266
पंजाब	599823	550692	485504	1618382	1413397	1241174
राजस्थान	533779	463867	399658	605023	523391	481641

राज्य/संघ राज्य क्षेत्र का नाम	एसबीआई और उनके अनुषंगी			राष्ट्रीयकृत बैंक		
	1997	1996	1995	1997	1996	1995
सिक्किम	13614	10107	8525	10384	10482	6254
तमिलनाडु	630740	015418	495140	1863842	1713055	1486317
त्रिपुरा	20294	21121	14805	33359	26581	23997
उत्तर प्रदेश	1229612	1083817	897468	2997138	2078906	2227909
प० बंगाल	833770	704305	624164	2186539	1914411	1727504
कुलः	12487982	11316298	9640523	27172854	23751264	21405108

विवरण-II

मार्च के अंतिम शुक्रवार की स्थिति के अनुसार सरकारी क्षेत्र के बैंकों की बैंकवार जमा-राशियां

(राशि लाख रु० में)

भारतीय स्टेट बैंक और उसके **अनुषंगी**	1997	1996	1995
स्टेट बैंक आफ बीका० एंड जय०	536454	460277	399213
स्टेट बैंक आफ हैदराबाद	647003	557990	484718
भारतीय स्टेट बैंक	9004318	6269044	6980585
स्टेट बैंक आफ इंदौर	253645	231426	195493
स्टेट बैंक आफ मैसूर	416522	399543	317205
स्टेट बैंक आफ पटियाला	649354	587081	619438
स्टेट बैंक आफ सौराष्ट्र	367049	298772	261031
स्टेट बैंक आफ त्रावणकोर	613637	541265	482841
कुलः	12487982	11316298	9640525

राष्ट्रीयकृत बैंक

क्रम० बैंक का नाम	1997	1996	1995
इलाहाबाद बैंक	1104743	981064	895846
आन्ध्रा बैंक	669162	573833	526313
बैंक आफ बड़ौदा	2670460	2367594	2187078
बैंक आफ इंडिया	2513272	2129736	1868444
बैंक आफ महाराष्ट्र	685606	562603	623754
केनरा बैंक	2975369	2389983	2159646
सेंट्रल बैंक आफ इंडिया	2827183	1931487	1732664
कारपोरेशन बैंक आफ इंडिया	631313	545433	603050
देना बैंक	764571	641260	570411
इंडियन बैंक	1248020	1186765	1106317

क्रम०	बैंक का नाम	1997	1996	1995
	इंडियन ओवरसीज बैंक	1433923	1273986	970067
	ओरयिंटल बैंक आफ कॉमर्स	961335	819224	665006
	पंजाब एंड सिंध बैंक	394360	545495	487842
	पंजाब नेशनल बैंक	2891307	2703326	2399964
	सिंडिकेट बैंक	1198909	1068417	1001298
	यूको बैंक	1007731	897137	835481
	यूनियन बैंक आफ इंडिया	1006674	1725988	1530629
	यूनाइटेड बैंक आफ इंडिया	986891	843111	771818
	विजया बैंक	532026	558874	566681
	कुलः	27172854	23761284	21405109

लघु तथा मध्यम दर्जे के किसानों को दिए गए ऋणों से संबंधित आंकड़े

699. **चौधरी हरमोहन सिंह यादवः** क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि सरकार के पास ऐसे कोई आंकड़े नहीं हैं जिनसे यह पता लगाया जा सके कि छोटे और मध्यम दर्जे के किसानों को कितना-कितना ऋण दिया गया है;

(ख) इस प्रकार के ऋण आंकड़े न रखने के क्या कारण हैं; और

(ग) इस प्रकार के आंकड़े न रखने से देश में किसानों की भावी योजनाओं पर क्या प्रभाव पड़ेगा और इस संबंध में सरकार की क्या परतिक्रिया है?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सतपाल महाराज): (क) से (ग) छोटे और सीमांत किसानों को उनके स्वामित्व की जोत की भूमि के आकार के अनुसार परिभाषित किया जाता है।

कृषकों को दिए गए ऋण के आंकड़े, उनकी जोत की भूमि के आकार के अनुसार, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) वार्षिक आधार पर प्रकाशित "मुद्रा और वित्त की रिपोर्ट" (खण्ड II) के एक अंश के रूप में प्रकाशित करता है। इस रिपोर्ट में, अन्य बातों के साथ-साथ, ये शामिल है, अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों द्वारा प्रत्यक्ष वित्त को कवर करने वाला विवरण (अल्पावधि ऋण और मीयादी ऋण) तथा रिपोर्टाधीन वर्ष के दौरान प्राथमिक कृषि ऋण समितियों और प्राथमिक भूमि विकास बैंकों द्वारा जारी किए ऋण और अग्रिम।

वर्ष 1993 से 1995 की अवधि के दौरान छोटे और सीमांत किसानों को सभी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों द्वारा दिए गए प्रत्यक्ष अग्रिमों के विस्तृत ब्यौरे निम्नानुसार है:—

(रुपए करोड़ में)

वर्ष	संवितरित राशि		बकाया राशि	
जून की अंतिम स्थिति	अल्पावधि ऋण	मीयादी ऋण	अल्पावधि ऋण	मीयादी ऋण
1993	1611	593	3243	3522
1994	1897	591	3484	3522
1995	2448	718	3900	3646